

bases in the Arabian Sea or the Bay of Bengal?

**Shri Y. B. Chavan:** I require notice for that question.

**श्री रा० स० तिवारी :** पाकिस्तान सरहद पर खाइयां खोद रहा है और वह पनडुब्बियां भी जहाजों की खरीद रहा है और भारत पर आक्रमण करने की तैयारियां कर रहा है तो उस भावी खतरे का सामना करने के लिए सरकार क्या व्यवस्था कर रही है ?

**अध्यक्ष महोदय :** इस सवाल से उस का कोई ताल्लुक नहीं है । यहां तो किश्तियों की बात है ।

**Shrimati Savitri Nigam:** Has Government got any information whether these submarines have been supplied to Pakistan according to some agreement and, if so, whether some more supply of submarines is going to be given to Pakistan?

**Shri Y. B. Chavan:** We need not presume that the submarines have been supplied.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** In view of an earlier statement made by the Defence Minister some six months ago in this House to the effect that the Chinese navy is equipped with submarines capable of operating in the Bay of Bengal and the Indian Ocean, has Government received reports, or has reason to believe, that the Chinese submarines are actually operating in this region with the help and co-operation of Pakistan?

**Shri Y. B. Chavan:** We have no such information.

**आकाशवाणी से संसद्-समीक्षा**

\*३०१. श्री प्रकाशबीर शास्त्री : क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या संसद् सदस्यों तथा देशवासियों की ओर से आग्रह किया गया है कि आकाशवाणी से 'संसद्-समीक्षा' पुनः चालू की जाये; और

(ख) यदि हां, तो उस पर सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है ?

**संसद्-कार्य मंत्री (श्री सत्यनारायण सिंह) :**

(क) केवल कुछ संसद् सदस्यों ने कभी कभी इस कार्यक्रम को पुनः चालू करने के लिए मुझाव दिये हैं ।

(ख) इस मामले पर विचार किया गया है, परन्तु व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण इस कार्यक्रम को फिर से चालू करना अभी तक संभव नहीं हुआ है ।

[(a) Some Members of Parliament only have, on a few occasions, suggested the resumption of this programme.

(b) The matter has been examined, but it has not so far been found possible to re-introduce this item owing to practical difficulties.]

**श्री प्रकाशबीर शास्त्री :** अभी मंत्री महोदय ने बतलाया कि इस कार्यक्रम को व्यावहारिक कठिनाइयों के कारण फिर से चालू करना अभी तक संभव नहीं हुआ है, क्या मैं जान सकता हूँ कि वह व्यावहारिक कठिनाइयां कौन सी हैं जिन के कारण अभी तक यह निर्णय नहीं लिया जा सका है ?

**श्री सत्यनारायण सिंह :** माननीय सदस्य को शायद मालूम होगा कि जब से इमारजेंसी शुरू हुई है तब से यह एक आइटम जोकि पांच मिनट का होता था, पार्लियामेंट की प्रोसीडिंग्स के रैव्यू का, उस की जगह पर टॉपिक ऑफ द डे या आज की बात, पांच मिनट का यह प्रोग्राम चलता है । एक पीक ओवर है । "संसद्-समीक्षा" को पुनः चालू करने

के लिए कहा जा सकता है कि उस के लिए भी ५ मिनट निकाले जा सकते हैं । लेकिन ८ बजे और ९ बजे के बीच में ही सारा प्रोग्राम बेशी लोग सुनते हैं और उस को यदि हम अलग कर दें तो उस का फ़ायदा कोई विशेष नहीं होगा । अब तो एक ही सवाल है कि जो प्रोग्राम है टॉपिक ऑफ़ द डे या आज की बात, उस को हटा दें और उस की जगह पर उस को रख दें । कंसल्टेटिव कमेटी की मीटिंग हमारी हुई थी । उस में इस पर काफ़ी चर्चा हुई । इस सेशन में तो मुमकिन न होगा लेकिन अगले सेशन में इस पर विचार करने की अवसर कोशिश करेंगे कि इस विषय में क्या हो सकता है ।

**श्री प्रभाशबोर शास्त्री :** संसद् में जितनी भी चर्चाएं चली हैं उन का देश के संकटकाल से सीधा सम्बन्ध रहता है और अगर उन की समीक्षा की जाय तो स्वाभाविक है कि वह भी संकटकाल की स्थिति पर प्रभाव डालेगी तो क्या सरकार आज एसी स्थिति में है कि वह इस बात की घोषणा कर सके कि अगले अधिवेशन से इस को फिर से चालू कर दिया जायगा ?

**श्री सत्यनारायण सिंह :** मैं ऐसी कोई घोषणा करने में असमर्थ हूँ लेकिन माननीय सदस्य को यह मालूम होना चाहिए कि संसद् की जो रिपोर्ट है वह काफ़ी डिटल्ड तरीके पर आ जाती है और अधिवेशन के दिनों में अगल इंडिया रेडियो से जो समाचार बुलेटिन निकलते हैं उन में लोक सभा और राज्य सभा की कार्यवाही की काफ़ी चर्चा रहती है, शायद ७५ परसेंट लोकसभा और राज्य सभा की बातें ही रात के बुलेटिन और सुबह के बुलेटिन में निकलती हैं । अब संसद् समीक्षा में भी तो वही बातें होती हैं जो कि बुलेटिन्स में आ जाती हैं । संसद् की कार्यवाही का रैव्यू तो बुलेटिन्स में आ ही जाता है ।

**Shri Indrajit Gupta :** Does the hon. Minister consider that at any rate

when important major debates are held in Parliament those would come under the head "Topic of the Day" and could not the important debates be covered by reviews?

**Shri Satya Narayan Sinha :** I do not know whether the public undertakings debate was not covered.

**Shri Indrajit Gupta :** Reviewed.

**Shri Satya Narayan Sinha :** When this thing will be reintroduced all such matters will certainly be reviewed according to its importance.

**श्री बी० चं० शर्मा :** माननीय मंत्री को इस बात का जरूर ध्यान होगा कि पार्लियामेंट में दो तरह की बातें होती हैं । एक का सम्बन्ध खबरों के साथ है, समाचारों के साथ है और दूसरी का सम्बन्ध व्यू के साथ है, सिद्धान्तों के साथ है, यह ठीक है कि खबरें जो आप प्रकाशित करते हैं उन में संसद् की खबरें ज्यादा होती हैं लेकिन उन में कोई वह दूसरी बात अर्थात् व्यू और सिद्धान्त नहीं होते हैं तो हमारे सिद्धान्तों का प्रचार होना चाहिए वह कैसे होगा और क्या इस के लिए मंत्री महोदय कोई प्रबन्ध करेंगे ?

**श्री सत्यनारायण सिंह :** मैं ने ठीक से समझा नहीं कि माननीय सदस्य क्या कहते हैं ? अब पार्लियामेंटरी प्रोसीडिंग्स के रैव्यू को फिर से रैस्टोर करने की बात आती है, सिद्धान्त की तो कोई बात उस में आती नहीं है । वह तो एक तरह की संसद् की कार्यवाही का रैव्यू था, संसद् समीक्षा थी । उस में कोई सिद्धान्त की बात तो होती नहीं थी । उस में कोई सिद्धान्तों की बात चलती हो ऐसा तो था नहीं अलबत्ता वह एक अपने ढंग से संसद् समीक्षा रखते थे जो कि सुनने में बहुत अच्छी लगती थी । लेकिन इस के अलावा उस में कोई विशेष बात ऐसी नहीं आती थी जो कि संसद् की और रिपोर्टों में देखने में नहीं आती ।

**Shri Inder J. Malhotra :** During the last session when a half-an-hour dis-

cussion was held on this subject, the hon. Minister had assured on the floor of the House that something would be done in the matter. In view of the reply given today may I know whether that assurance is being taken back?

**Shri Satya Narayan Sinha:** I do not know. Perhaps my predecessor had given that assurance; but without knowing that I have said that we are examining the thing. I have made it perfectly clear.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** In view of the fact that there have been several complaints with regard to proceedings broadcast from the All India Radio, does Government propose to lay on the Table or place in the Library a copy of the script of each broadcast relating to parliamentary proceedings on the AIR because Members are interested in seeing that....

**Mr. Speaker:** Shri Kamath would realise that that does not come under the question of .....

**Shri Hari Vishnu Kamath:** After the broadcast is over.

**Mr. Speaker:** ..... review of the commentary that was being made.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** It may be a review or news of parliamentary proceedings. If they are broadcast from the AIR, I am sure you will agree that a copy of that must be laid on the Table after it is broadcast, that is, the next day.

**Mr. Speaker:** It is a suggestion for action. Shri Kapur Singh.

**Shri Hari Vishnu Kamath:** I took it up with them and they refused.

**Mr. Speaker:** That is another thing. Shri Kapur Singh.

**Shri Kapur Singh:** I want to know whether the complete black-out by

the AIR of the political views of the Shiromani Akali Dal as represented in this House is fortuitous or whether it is a measure of Government policy; if the latter, what are the reasons for that?

**Mr. Speaker:** It is not connected with the review.

**Shri Kapur Singh:** The views as represented in this House during the proceedings are blacked out. I want to know whether they are fortuitous, or they are as a consequence of some Government policy and, if the latter, why? This was my question.

**Shri Satya Narayan Sinha:** It is not germane to this question, as you were pleased to remark. But I would examine it. I do not know.

**Shri Heda:** May I know whether any difficulty was found in finding suitable personnel so far as the continuation or resumption of this review is concerned?

**Shri Satya Narayan Sinha:** So far as the personnel is concerned, we have experienced no difficulty.

**Shri Harish Chandra Mathur:** The hon. Minister said that this question was discussed thread-bare in the informal consultative committee. May I know what was the consensus of opinion of the informal consultative committee and what value he attaches to that?

**Shri Satya Narayan Sinha:** The value attached to that is which it deserves. We always take into consideration what they say.

**Shri Harish Chandra Mathur:** What was the consensus of opinion?

**Shri Satya Narayan Sinha:** The consensus of opinion was like this—in this House also—that we placed before them our difficulties and they also appreciated them.